Exam.Code:0007
Sub. Code: 0606

1127
B.A./B.Sc. (Hons.) Third Semester
Hindi

Time allowed: 3 Hours

Max. Marks: 90

नोट :- तीनों प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करते हुए काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट करें :- (12)×2=(24)

(क) बालधी बिसाल बिकराल, ज्वालजाल मानो
लंक लीलिबेको काल रसना पसारी है।
कैंधों ब्योमबीथिका भरे हैं भूरि धूमकेतु,
बीररस बीर तरवारि सो उघारी है ॥
'तुलसी' सुरेस-चापु, कैंधों दामिनि-कलापु,
कैंधों चली मेरु तें कृसानु-सरि भारी है।
देखें जातुधान-जातुधानी अकुलानी कहैं,
काननु उजार्‌यो, अब नगरु प्रजारिहै ॥

(अथवा)

हाट-बाट~~हाटकु~~ हाटकु पिघिलि चलो घी-सो घनो,
कनक-कराही लंक तलफति तायसों ॥
नाना पकवान जातुधान बलवान सब,
पागि पागि ढेरी कीन्ही भलीभाँति भाय सों॥
पाहुने कृसानु पवमान सों परोसो, हनुमान
सनमानि कै जेंवाए चित चाय सों।
'तुलसी' निहारि अरिनारि दै-दै गारि कहैं
'बावरे सुरारि बैरु कीन्हो रामराय सों ॥

P.T.O

Sheet No. 2

ख) अनमोल आविष्कार यद्यपि हैं अनेकों कर चुके,
निज नीति, शिक्षा, सभ्यता की सिद्धि का दम भर चुके,
पर पीटते हैं सिर विदेशी आज भी जिस शान्ति को,
वे हम कभी फैला चुके उसकी अलौकिक कान्ति को।
है आज पश्चिम में प्रभा जो पूर्व से ही है गई
रहते अँधेरे यदि न हम होती न खोज नई-नई।
इस बात की साक्षी प्रकृति भी है अभी तक सब कहीं,
होता प्रभाकर पूर्व से ही उदित, पश्चिम से नहीं।

(अथवा)

जो कामिनी-कांचन न छूता फिर विरागी रहा कहाँ?
पर चिह्न तो वैराग्य का अब है जटाओं में यहाँ।
भूखों मरे कि जटा रखाकर साधु कहलाने लगे
चिमटा लिया, 'भस्मी' रमाई, माँगने खाने लगे।
संख्या अउद्योगी जनों की है इसी से बढ़ रही -
शुचि साधुता पर भी कुयश की कालिमा है चढ़ रही।
है भस्मलेपन से कहीं मन की मलिनता छूटती?
हा! साधु-मर्यादा हमारी अब दिनोंदिन टूटती।

2. तीन समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक काव्य-कृति में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। 18+18+18 =54

(i) 'सुंदरकांड' के आधार पर हनुमान के साहसिक सौन्दर्य पर प्रकाश डालें।

अथवा

सुंदरकांड की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालें।

(ii) भारत-भारती' में किस प्रकार भारतवर्ष के संक्षिप्त दर्शन की प्रस्तुति है?

अथवा

'भारत-भारती' कई सामाजिक आयामों पर विचार करने को विवश करती है कैसे?

(iii) 'कवितावली' के काव्य-रूप को संक्षेप में विवेचित करें।

अथवा

'भारत-भारती' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालें।

3. हिन्दी का भारत में क्या स्थान है? इसके महत्त्व और स्वरूप को स्पष्ट करें। 12

x-x-x